समग्र विकास अभ्यासक्रम (५ से १४ वर्ष)

लालयेत् पंच वर्षाणि दश वर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रं समाचरेत्।।

घर में विद्यालय की तरह और विद्यालय में घर की तरह शिक्षा।

श्रवण, पठन, गायन और कंठस्थीकरण।
उर्ध्वगामी हो रही, ऊर्जा की हर किरण।।

विश्वगुरू भारत
↓
चक्रवर्ती राष्ट्र भारत
↓
सोने की चिड़िया भारत
(इंडिया ?)

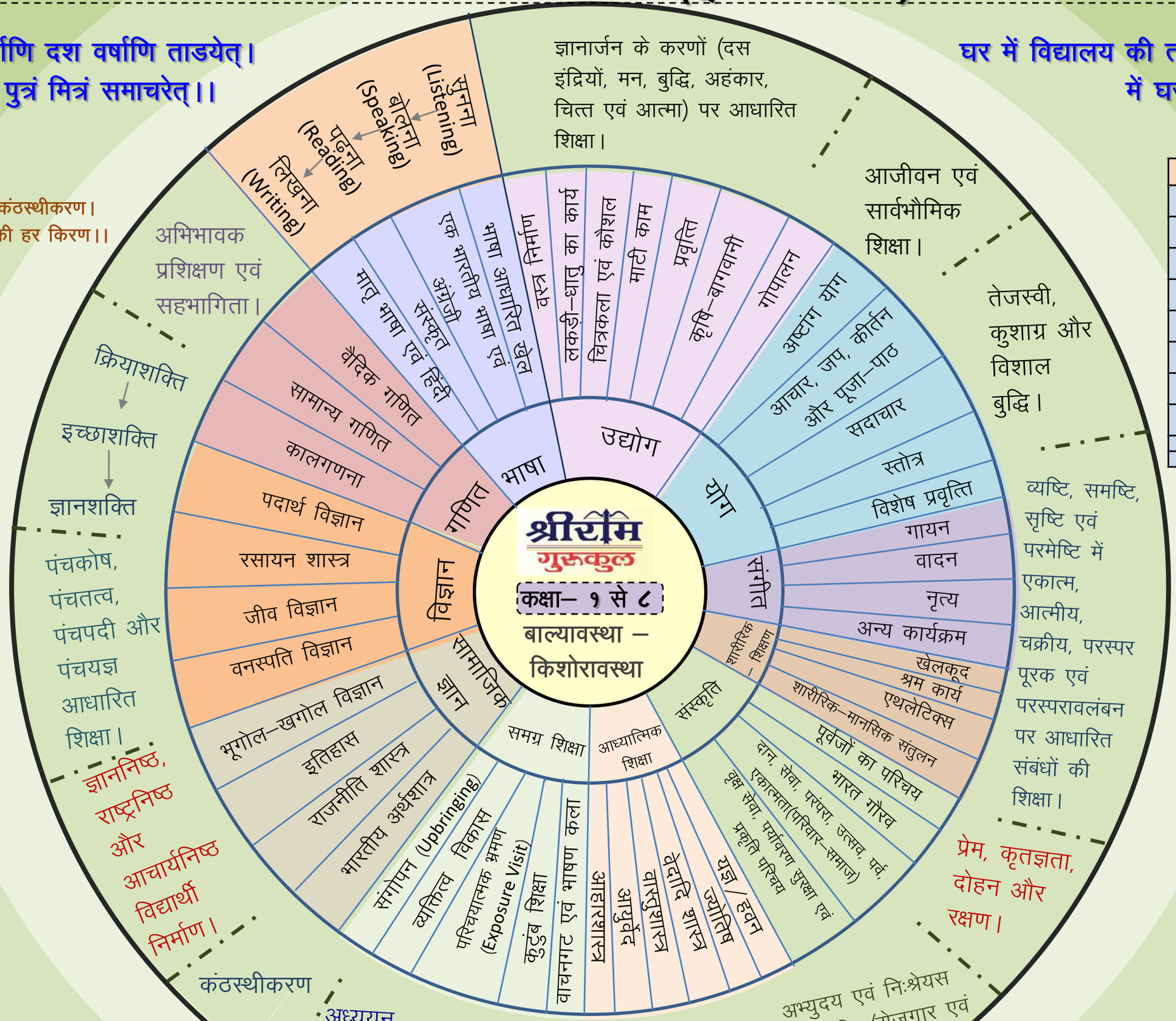

भारतीय ज्ञान पाठावली

क्रम	श्रेणी	ग्रंथ संख्या	किनके लिए
१.	अंकुर	११	५ और ६ वर्ष के छात्र
२.	पल्लव	१३	७ और ८ वर्ष के छात्र
३.	तीर्थ	१५	९ और १० वर्ष के छात्र
४.	प्रसाद	१७	११ और १२ वर्ष के छात्र
५.	धृति	१९	१३, १४, १५ वर्ष के छात्र
६.	धारणा	२१	१६ और १७ वर्ष के छात्र
७.	मेधा	२३	१८, १९, २० वर्ष के छात्र
८.	प्रज्ञा	२५	प्रबुद्धजन, विद्वज्जन
९.	चिति	२७	शैक्षिक शोधकर्ता
१०.	परिधि	२९	सर्व जिज्ञासुजन

स्वायत्त शिक्षा व्यवस्था के विषय में आचार्य विनोबा भावे का एक सुन्दर कथन है–

"छात्र शिक्षक परायण, शिक्षक छात्र परायण,
दोनों ज्ञान परायण और ज्ञान सेवा परायण होना चाहिये।"

इदं त्रैलोक्यविख्यातं विश्वकल्याणकारकम्।
शिक्षायाः ज्ञानयज्ञार्थे नैमिषारण्यमुत्तमम्।।